तापमान
अधिकतम 38 .0 डिग्री
न्यूनतम 17 .3 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, सोमवार, 14 अप्रैल, 2025

11 आपस में भाईचारे से रहें और एकता बनाए रखें

12 बालाजी जन्मोत्सव पर जमकर झूमे भक्त

खबर संक्षेप

पंचायत घर से जिम का सामान चोरी

सोनीपत। सदर थाना क्षेत्र के गांव बड़वासनी स्थित पंचायत घर से जिम का सामान चोरी होने के आरोप का मामला सामने आया है। वार्ड की पार्षद ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस क्षेत्र में लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाल रही है। ताकि कोई सुराग हाथ लग सके। वार्ड नंबर-15 की पार्षद सुदेश ने बताया कि जिला परिषद से इंडोर जिम का सामान मिला था। जिसे उन्होंने बड़वासनी गांव के पंचायत घर में रखवाया था। उनको सूचना मिली कि पंचायत घर से सामान चोरी हो गया है। मौके पर जांच की तो पंचायत घर में रखी 35 वेट प्लेट और तीन राड गायब मिली। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। सदर थाना सोनीपत पुलिस ने मौके का मुआयना कर चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच अधिकारी एसआई नरेंद्र ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जल्द से चोरों का पता लगाकर आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

मोटरसाइकिल चोरी का आरोपित पकड़ा

गोहाना। थाना शहर गोहाना की पुलिस टीम ने मोटरसाइकिल चोरी करने की घटना में संलिप्त आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित गांव जागसी निवासी सरवर पुत्र रघबीर है। गोहाना निवासी प्रवीन पुत्र महेन्द्र ने 8 अप्रैल को थाना शहर गोहाना में उसकी मोटरसाइमिल चोरी होने की शिकायत दी थी। अनुसंधान टीम में नियुक्त मुख्य सिपाही धीरज ने अपनी पुलिस टीम के साथ घटना में संलिप्त उक्त आरोपित को गिरफ्तार किया है और उसके पास से चोरीशुदा मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गई है।

मोबाइल फोन छीनने का आरोपित गिरफ्तार

सोनीपत। कुंडली थाना सोनीपत पुलिस ने मोबाइल फोन चोरी करने की वारदात में शामिल आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित विकास निवासी स्वतंत्र नगर नरेला दिल्ली का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। एक युवती ने गत 12 अप्रैल को पुलिस से शिकायत देकर बताया था कि वह औद्योगिक क्षेत्र में नौकरी करती है। वह 10 अप्रैल को देर शाम ड्यूटी खत्म होने के बाद पैदल घर लौट रही थी। जब वह औद्योगिक क्षेत्र कुंडली के पास पहुंची। उसी दौरान मोटरसाइकिल पर दो युवक आए। एक लड़के ने उसके हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया। उसके बाद जीटी रोड की तरफ फरार हो गए। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया था। मामले में कार्रवाई करते हुए सहायक उप निरीक्षक अनिल की टीम ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया।

बिजली लाइन से साढ़े चार लाख के तार चोरी

सोनीपत। कुंडली थाना क्षेत्र के अब्बासपुर गांव में बिजली लाइन से लाखों रुपये कीमत की तार के चोरी होने के आरोप का मामला सामने आया है। कंपनी के अधिकारी ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस चोरों की तलाश के प्रयास कर रही है। पावर ग्रिड नरेला ट्रांसमिशन लिमिटेड के उप प्रबंधक दीपक चंद्र ने बताया कि उनकी कंपनी द्वारा 765 केवी लाइन का निर्माण कार्य चल रहा है जो कि अब्बासपुर गांव से होकर गुजर रही है। उन्होंने बताया कि साइट की लोकेशन नंबर- 247 मीटर पर 36 तार खींचकर रखे थे। वह शनिवार को साइट पर गए तो 100 मीटर के 12 तार गायब थे। जिसकी कीमत करीब 4.50 लाख रुपये थी।

गांव कामी में युवक की पीट-पीटकर हत्या घर के बाहर शव फेंककर हत्यारे फरार

हत्या के बाद गांव में दहशत, पुलिस मोबाइल और सीसीटीवी खंगालने में जुटी

- सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और एफएसएल की टीम, जुटाए सबूत
- टीमों ने जरूरी नमूने एकत्रित कर शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में भिजवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। वारदात स्थल पर जांच करते हुए पुलिस व एफएसएल की टीमें।

सदर थाना क्षेत्र के गांव कामी में दिल-दहला देने वाली वारदात सामने आई है। युवक को बेरहमी से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। उसके बाद शव को उसके घर के बाहर फेंक कर हमलावर फरार हो गए। परिजनों ने मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। सूचना के बाद सदर थाना पुलिस व एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची। जहां जरूरी नमूने एकत्रित करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में भिजवाया। पुलिस हत्यारोपितों की तलाश के प्रयास कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार गांव कामी निवासी अंकित (32) खेती-बाड़ी का काम करता था। रविवार को उसका शव संदिग्ध हालत में उसके घर के बाहर पड़ा हुआ मिला। घर के बाहर शव पड़ा देखकर मामले की सूचना गांव में आग की तरह फैल गई। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। सूचना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। उसके बाद एफएसएल की टीम को बुलाया। टीमों ने घटना स्थल से जरूरी नमूने एकत्रित कर शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में भिजवाया। वहीं पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। फिलहाल हत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है, लेकिन पुलिस रंजिश या किसी आपसी दुश्मनी की आशंका को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। मृतक के मोबाइल कॉल रिकॉर्ड और संपर्कों की भी जांच की जा रही है। गांव में इस घटना के बाद मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। एसीपी जीत सिंह ने बताया कि जल्द ही वारदात से जुड़े सुराग जुटाए जा रहे है। परिजनों के बयान पर आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। गांव की गलियों में लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाली जा रही है।

पिता की हो चुकी मौत, इकलौता था अंकित

मिली जानकारी के अनुसार अंकित अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसके पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। रविवार दोपहर बाद पुलिस को सूचना मिली कि गांव कामी में एक युवक का शव घर के बाहर पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और शव की पहचान अंकित के रूप में की गई। शव पर चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे आशंका जताई जा रही है कि उसकी हत्या किसी धारदार हथियार से की गई है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है ताकि घटना के बारे में कोई सुराग मिल सकें।

मृतक अंकित का फाइल फोटो

भारतीय किसान संघ की टीम ने किया मंडी का दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

रविवार को भारतीय किसान संघ की टीम ने नई अनाजमंडी का दौरा किया और किसानों से बातचीत करके उनकी समस्याएं पूछी। दौरे से पहले संघ की गोहाना, मुंडलाना और कथूरा तीनों खंडों के कार्यकर्ताओं ने बैठक की। मंडी दौरे में भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधिमंडल ने आढ़तियों और किसानों से भेंट की। संघ के जिला उपाध्यक्ष ऋषिपाल नूरन खेड़ा ने कहा कि किसान मंडी में सूखा हुआ गेहूं लेकर आएं। गेहूं में नमी की अधिक होने से उसके भंडारण में परेशानी होती है। जिला महासचिव नीरज शर्मा धनाना ने कहा कि किसानों को गेहूं की पेमेंट शीघ्र की जाए। पेमेंट में देरी से किसानों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। गेहूं का उठान समय पर किया जाए। जिला सह सचिव विकास बुटाना, गोहाना खंड अध्यक्ष राजेश बोहला, मुंडलाना खंड अध्यक्ष विकास नूरन खेड़ा, गोहाना युवा प्रमुख विशाल गोहाना व सचिन धनाना शामिल रहे।

76 हजार 567 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद

सोनीपत। जिला की विभिन्न मंडियों में गेहूं की आवक व खरीद तेज हो गई है। शनिवार देर सांय तक जिला की विभिन्न 24 मंडियों व खरीद केंद्रों में 76 हजार 567 मीट्रिक टन गेहूं की आवक हो चुकी है। इस गेहूं को विभिन्न एजेंसियों द्वारा खरीद लिया गया है। जिला की विभिन्न मंडियों में पहुंचे 76 हजार 567 मीट्रिक गेहूं में से खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा 31 हजार 578 मीट्रिक टन, हैफेड द्वारा 29 हजार 995 मीट्रिक टन, हरियाणा वेयर हाउसिंग द्वारा 13 हजार 321 मीट्रिक टन और फूड कार्पोरेशन आफ इंडिया (एफसीआई) द्वारा 1673 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। जिला की मंडियों में पहुंचे गेहूं में भैंसवाल खरीद केंद्र पर 140 मीट्रिक टन, बिचपड़ी खरीद केन्द्र पर 35 मीट्रिक टन, दातौली खरीद केन्द्र पर 1032 मीट्रिक टन, फरमाणा खरीद केन्द्र पर 2790 मीट्रिक टन की खरीद की जा चुकी है।

आवारा युवकों से परेशान दुकानदार डायल करते रहे 112, नहीं मिली सहायता, गश्त बढ़ाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। मामले को लेकर बातचीत करते हुए दुकानदार।

सिविल लाइन थाना क्षेत्र में सोनीपत-गोहाना रोड के फ्लाईओवर के नीचे दुकानदार आवारा युवकों से परेशान है। रविवार को मादक पदार्थ लेकर घुम रहे युवकों को दुकानदारों ने टोका तो हाथ पाई शुरू हो गई। दुकानदारों ने मामले को लेकर डायल-112 पर कॉल कर सूचना दी, लेकिन पुलिस की सहायता नहीं मिली। आरोप है कि युवक गुंडागर्दी करते रहते है। पुलिस से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने की मांग की है। दुकानदार सज्जन पाल, चंद्रसिंह, सुकरमपाल, मुकेश, पवन, सोनू, विकास सहित अन्य दुकानदारों ने बताया कि पुल के नीचे उनकी दुकानें है। सड़क मार्ग कम ही चलता है। उक्त मार्ग पर आने-जाने वालों को आवारा युवक परेशान करते है। किसी से कुछ कहने पर लड़ाई-झगड़ा करते है। लोगों का आरोप है कि युवक मादक पदार्थ लेकर घुमते रहते है। रविवार को कुछ युवक झगड़ा करने लगे। मामले को लेकर डायल-112 पर कई बार कॉल की, लेकिन कोई मदद नहीं मिला। इस संबंध में सिविल लाइन थाना पुलिस को अवगत करवाया, लेकिन कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। दुकानदारों ने क्षेत्र में आवारा युवकों से सुरक्षा देने के लिए अधिकारियों को शिकायत भेजकर गश्त बढ़ाने की मांग की।

पुरखास रोड पर तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर, हादसे में बाइक सवार किशोर की जान गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

मृतक साकिब का फाइल फोटो

सिविल लाइन थाना क्षेत्र के सोनीपत-पुरखास सड़क मार्ग पर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। तेज रफ्तार कार ने बाइक को चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक पर सवार किशोर घायल हो गया। राहगीरों की मदद से घायल को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में लाया गया। जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। पीजीआई में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का कब्जे में लेकर शवगृह में रखवाया है। सोमवार को शव का पोस्टमार्टम करवाया जायेगा। मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान साकिब चौधरी (17) के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के शामली जिले के गांव भूरा का मूल निवासी था, लेकिन पिछले 10 सालों से थरिया गांव में अपने नाना के घर रह रहा था। हादसा उस समय हुआ जब वह बाइक से अपने नाना के घर लौट रहा था और ओवरटेक के दौरान सामने से आ रही कार से उसकी टक्कर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दोनों वाहन काफी तेज गति में थे और अचानक ब्रेक लगाने के बावजूद टक्कर को टाला नहीं जा सका। हादसा इतना भीषण था कि गाड़ी के एयरबैग खुल गए और गाड़ी की दिशा भी बदल गई। कार में सवार तीनों युवक सुरक्षित रहे, लेकिन साकिब का सिर कार के ड्राइवर साइड बोनट से टकरा गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे सोनीपत के नागरिक अस्पताल में उपचार के लिए लाया गया। जहां से उसे हालत गंभीर होने के चलते पीजीआई रेफर कर दिया।

सोनीपत। वारदात स्थल पर क्षतिग्रस्त वाहन।

मंदिर से दानपात्र चोरी करने का आरोपित युवक गिरफ्तार

सोनीपत। सेक्टर-27 शहर थाना सोनीपत पुलिस ने मंदिर से दानपात्र चोरी करने की वारदात में शामिल आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित नवीन निवासी दिल्ली कैंप का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। सिक्का कॉलोनी निवासी सुभाष ने गत 11 अप्रैल को पुलिस से शिकायत देकर बताया कि कॉलोनी स्थित शिव मंदिर के अंदर दानपात्र रखा हुआ है। किसी ने मंदिर के अंदर घुसकर दानपात्र को चोरी कर लिया। अपने स्तर पर चोर की तलाश की, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया था। जांच अधिकारी उप निरीक्षक संजय की टीम ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से पांच हजार रुपये की राशि बरामद की है। आरोपित को अदालत में पेश किया।

गांव ठरू से लापता महिला गुजरात से मिली, परिजनों को सौंपी

सोनीपत। सदर थाना क्षेत्र के गांव ठरू से संदिग्ध हालत में लापता हो गई। गांव ठरू निवासी अजीत ने मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया था। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए महिला को गुजरात से सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने महिला का मेडिकल करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

BLISS WELFARE SOCIETY
के सौजन्य से
सौभाग्यशाली जरूरतमंद कन्याओं के सामूहिक विवाह समारोह।

दिनाक 22.06.2025
ऐसे जरूरतमंद परिवार जो अपनी बेटी की शादी का खर्चा उठाने में असमर्थ है, वो अपनी स्वेच्छा से अपनी बेटी का रिश्ता तय करके दिए गए नंबर पर जल्द संपर्क कीजिए।
BLISS WELFARE SOCIETY
Agrasen Chowk, Near Bajaj Tiles, Murthal Road, Sonipat
Joney Tyagi (प्रबंधक) Mob.: 9050990408, 9050990407
इसके अलावा संस्था द्वारा विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं।
1 जुलाई से बुजुर्गों के लिए हरिद्वार, खाटूश्याम, मथुरा, चुलकाना धाम के लिए फ्री बस सुविधा
सरकारी जॉब के लिए कोचिंग फ्री दी जाती है।
छात्र-छात्राओं के लिए फ्री लाईब्रेरी की सुविधा
Agrasen Chowk, Near Bajaj Tiles, Murthal Road Sonipat
Joney Tyagi (Manager) Mob.: 9050990408, 9050990407

नशा मुक्त हरियाणा का संदेश देंगे युवा

साइक्लोथॉन यात्रा कल पहुंचेगी सोनीपत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हिसार से शुरू हुई थी यात्रा

डॉ. मनोज कुमार डीसी, सोनीपत

उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य हरियाणा को नशा मुक्त बनाना है। हिसार से शुरू हुई यह साइक्लोथॉन पूरे राज्य में युवाओं को जोड़ते हुए एक सामाजिक परिवर्तन की अलख जगा रही है। उन्होंने कहा कि जिले में इस आयोजन को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है और जिले में बड़ी संख्या में लोगों ने इस साइक्लोथॉन के लिए पंजीकरण करवा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिले में विभिन्न स्थानों पर यात्रा का भव्य स्वागत किया जाएगा और इसके जरिए युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक किया जाएगा। उन्होंने आम नागरिकों से आह्वान किया कि वे इस अभियान से जुड़कर समाज को नशे की गिरफ्त से मुक्त कराने में अपना योगदान दें।

रजिस्ट्रेशन हो रहे

उपायुक्त ने बताया कि यह सिर्फ एक साइकिल यात्रा नहीं, बल्कि एक जन जागरूकता की लहर है, जो गांव-गांव, गली-गली में यह संदेश लेकर जाएगी कि नशा छोड़ो, जीवन से नाता जोड़ो। उन्होंने कहा कि साइक्लोथॉन में हिस्सा लेने के लिए जिन युवाओं ने अभी तक अपना रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया है वे तुरंत रजिस्ट्रेशन करवा सकते है।

ड्रग फ्री हरियाणा अभियान के तहत प्रदेश भर में चल रही साइक्लोथॉन (साइकिल यात्रा) 15 अप्रैल को जिले में प्रवेश करेगी। जिला प्रशासन द्वारा इस आयोजन को लेकर व्यापक तैयारियां की गई हैं। सबसे पहले यह यात्रा रोहतक जिला की ओर से जिला के गांव सिसाना में प्रवेश करेगी, जहां एक भव्य समारोह का आयोजन किया जाएगा। गांव सिसाना में आयोजित कार्यक्रम में विधायक पवन खरखौदा साइक्लोथॉन का स्वागत करेंगे और फिर हरी झंडी दिखाकर आगे रवाना करेंगे। इस आयोजन में जिले के हजारों साइकलिस्ट भाग लेंगे और नशे के खिलाफ आवाज बुलंद करेंगे। इसके बाद यह यात्रा खरखौदा शहर, गांव झरोठ, कंवाली, तुर्कपुर, मण्डौरा, नाहरा, मल्हा माजरा, छतेहरा बहादुरपुर, ओपी जिंदल विश्वविद्यालय, आईटीआई चौक, सुभाष चौक, गीता भवन चौक, तीरंगा चौक से होते हुए जिला पुलिस लाईन में रात्रि ठहराव करेगी। इसके पश्चात 16 अप्रैल को सुभाष स्टेडियम से सोनीपत विधायक निखिल मदान साइक्लोथॉन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना करेंगे। इसके पश्चात यह साईकिल यात्रा तीरंगा चौक, गीता भवन चौक, देवीलाल चौक, गांधी चौक, अग्रसेन चौक, जीटी रोड़ स्थित मुरथल चौक, लड़सौली, गन्नौर शहर से होते हुए सीसीएएस जैन कॉलेज गन्नौर में रूकेगी, जहां पर आयोजित समापन समारोह कार्यक्रम में गन्नौर से विधायक देवेन्द्र कादियान यात्रा को हरी झण्डी दिखाकर पानीपत के लिए रवाना करेंगे।

मित्रता की सच्ची परीक्षा संकट में नहीं, उत्कर्ष में होती है। जो मित्र के उत्कर्ष को बर्दाश्त कर सके, वही सच्चा मित्र होता है।
- हरिशंकर परसाई

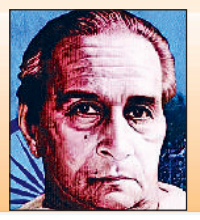

'मैं लुट गयी भाई, मैं लुट गयी। वे बिना कुछ कहे, सुने कैसे एकाएक हमें छोड़ गए। न बीमार हुए, न सेवा का अवसर दिया। अभी क्या उनकी उम्र थी जाने की? अभी तो एक माह के पोते को ढंग से गोद में भी न खिला पाए थे।' 'चुप हो जा मेरी बहन। देख तू ऐसे धैर्य छोड़ेगी तो हनी को कैसे चुप कराएगी?' मामा ने मेरी ओर संकेत करते हुए माँ को बहलाने का प्रयास किया।

कहानी
आशा खत्री 'लता'

अपने देश में

बाहर खिड़की से झांकते हुए अपने देश की शस्य- श्यामला धरती पर उगे हरे-भरे जंगलों, पहाड़ों को देखकर पिछले बहत्तर घण्टों में पहली बार उसके दिल को सुकून और मुख पर मुस्कान आयी थी। धरती पर तने नीलाम्बर को देख यूँ प्रतीत हो रहा था जैसे वह धरती का प्रहरी बन अड़ा खड़ा है। उसे लगा धरती, उस पर उगे पेड़-पौधे, आकाश और उसमें तैरते बादल, कभी पेड़ों के पत्तों और कभी बादलों के झुरमुट को उड़ाती पवन सबका आपस में गहरा रिश्ता है। सबका सुख-दुःख साझा है। दुःख, दर्द, पीड़ा, खुशी में सब एकत्रित होकर दुःखी को घेरकर ढाँढस बंधाते हैं, उसके दर्द को आत्मसात कर घटा देते हैं, बाँट लेते हैं।

विमान रनवे पर उतरने लगा था, उसे लगा कि पिछले 72 घण्टे से जिस दर्द के जाल में फँसकर वह फड़फड़ा रहा था, अब वह उसकी पकड़ से बाहर आ रहा है। माँ का हाथ थामे वह जैसे ही आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर बाहर आया, उसे कई परिचित चेहरे दिखाई देने लगे। जिन्हें देख माँ के मुँह से एकाएक शब्द फूटे-

'देख हेमंत।'

'हाँ माँ देख रहा हूँ, कृष्ण चाचा, शमशेर मामा, रोहित और अभिनव को।'

'हाँ' होंठ खुलने के साथ ही माँ की आंखें भर आई। हेमंत जिसे घर में सब प्यार से हनी कहते हैं अनुभव कर रहा था कि माँ तो जैसे इन तीन दिनों में ही पचपन की यंग लेडी बहत्तर की बुढ़िया हो गयी है। पापा हमेशा माँ को यंग लेडी ही तो कहा करते थे। क्योंकि वे थी ही ऐसी, बिलकुल लड़कियों-सी। आज वही हँसती-मुस्कुराती, ऊर्जा से ओत-प्रोत यंग लेडी 72 घण्टों में ही जैसे दुःख, दर्द उदासी की प्रतिमूर्ति बन गयी हैं। इन्हीं विचारों में डूबा वह सामने खड़े रिश्तेदारों तक पहुंचा तो देखा कि मामा ने तेज कदमों से आगे बढ़कर अपनी बहन को बाहों में भर लिया। उसे भी चाचा ने जिस अपनेपन से आलिंगन में लिया, वह अपनत्व की अनुभूतियों का चरम बिन्दु था।

'क्या हुआ तेरा पापा जो चला गया, मैं हूँ ना, तुझे कभी उसकी कमी अनुभव नहीं होने दूँगा।' कृष्ण चाचा ने सरगोशी की।

'जी चाचा जी, मैं समझता हूँ आपकी भावनाओं को, आपके स्नेह को।' उसने भर्राए स्वर में कहा।

'देख हनी, वह मेरा भाई था, तू उसके जिगर का टुकड़ा था तो हम दोनों भी एक ही जिगर के टुकड़े थे, एक माँ का दूध पिया, एक माँ के पेट से जन्म लिया। वह तो भाई की विदेश जाने की जिद थी वरना हम कभी अलग नहीं रहे। उसके चले जाने का दुःख मुझे मार डाल रहा है। परन्तु मैं उसको तुझमें देख रहा हूँ और तू भी उसको मुझमें अनुभव करना बेटे।' कहते हुए शमशेर चाचा की रुलाई फूट पड़ी।

माँ मामा से लिपटकर बिलख पड़ी थी। जैसे किसी नीर से लबालब भरी नदी पर बंधा बांध टूट गया हो।

'मैं लुट गयी भाई, मैं लुट गयी। वे बिना कुछ कहे, सुने कैसे एकाएक हमें छोड़ गए। न बीमार हुए, न सेवा का अवसर दिया। अभी क्या उनकी उम्र थी जाने की? अभी तो एक माह के पोते को ढंग से गोद में भी न खिला पाए थे।'

'चुप हो जा मेरी बहन। देख तू ऐसे धैर्य छोड़ेगी तो हनी को कैसे चुप कराएगी?' मामा ने मेरी ओर संकेत करते हुए माँ को बहलाने का प्रयास किया।

'मेरे घर की खुशियों को मेरी ही नजर लग गयी भाई। पहले दिन ही तो मैंने कहा था कि भगवान ने हमें सब कुछ दे दिया। अब हमें और क्या चाहिए। भगवान ने ऐसा क्यों किया भाई, भगवान ने उन्हें इतनी जल्दी क्यों बुला लिया?'

'चुप हो जा मेरी बहन, भगवान ने जिसकी जितनी साँसें लिखी हैं हम न उनसे एक अधिक ले सकते हैं न कम।'

आते-जाते लोग हमें देख रहे थे। हम अभी उनसे बेखबर थे। अतः इसकी ओर ध्यान दिलाते दोनों चचेरे भाइयों ने हमें सहारा देते हुए गाड़ी में बैठाया। सामान वे पहले ही रखवा चुके थे।

गाड़ी में बैठने के बाद भी मम्मी, मामा से रोते-रोते बातें करती रही। उनकी रुलाई उनके रोकने के प्रयास के बाद भी थमने का नाम नहीं ले रही थी। मैं जो पिछले तीन दिनों के घटनाक्रम पर माँ की चुप्पी को उनकी बहादुरी समझ रहा था। अब देख रहा था उनके बिखर जाने को। शायद यह अपनों के साथ

मुझे लगा कि अब हम अकेले नहीं हैं। यहाँ सब अपने हैं। कहाँ हम वहाँ एक चेहरा देखने को तरस गए थे, कहाँ यहाँ घर में तिल रखने की जगह नहीं थी। सब अपनी-अपनी सामर्थ्य अनुसार हमें तसल्ली दे रहे थे, दुःख की इस घड़ी में हमारे साथ खड़े थे। मुझे लगा काश! पापा यहाँ आकर अंतिम साँस लेते। मुझे माँ का वह वाक्य 'विदेश में कोए ना मरियो जीजी' कड़वे सच की तरह गले में अटका अनुभव हो रहा था। मैं मन ही मन निश्चय कर चुका था, बहुत शीघ्र स्थायी रूप से अपने देश वापस लौटने का।

का असर था। वहाँ हम अकेले थे। पापा ने उस दिन शाम को छाती में दर्द अनुभव किया तो हमने कहा चलो आपको डॉक्टर के पास ले चलते हैं।

'नहीं, हनी अब तो अपने देश जाकर ही दिखाऊंगा।' अपने देश लौटने के उनके उत्साह के आगे हम सब बार-बार आग्रह करके भी मौन साधने को विवश हो गए। अब सोचता हूँ यह मौन हमें कितना भारी पड़ा? काश! हम पापा के उत्साह के आगे हथियार नहीं डालते। रात को ही पापा छाती में मामूली से दर्द के बाद हम सबको छोड़कर चले गए। एकाएक जो हुआ उसे देख हमारे हाथ-पाँव फूल गए। इस सबके बावजूद माँ ने हिम्मत दिखाते हुए कोमल को नन्हें कुशल के साथ कमरे में ही रहने का आदेश दे दिया।

मुझे एकाएक बुआ के बेटे सचिन का ध्यान आया जो हमसे पन्द्रह मिनट की दूरी पर ही रहता था। वही अमेरिका में हमारा एकमात्र अपना, दोस्त, खैरख्वाह था। उसे सूचना दी तो वह आधे घण्टे में ही हमारे पास पहुँच गया। परन्तु वह भी वहाँ इस तरह की स्थिति से कभी न गुजरा था। हम सब बहुत ही असहाय अनुभव कर रहे थे। मैं और माँ कभी पापा को छूते, कभी उनसे लिपटते और ईश्वर से बारम्बार प्रार्थना करते कि काश! वे अब भी पापा की सांसें लौटा दें, काश! वे अब भी उठ बैठें।

अपना देश तो सात-समंदर पार था और हम नहीं जानते थे कि इस अनजानी जगह पर हम पापा की पार्थिव देह का अंतिम संस्कार कैसे और कहाँ करें। आज यह सुन्दर और आकर्षक मुल्क हमारे लिए नितान्त अजनबी हो गया था।

इस बीच सचिन ने अपने एक दोस्त के माध्यम से एक पण्डित का पता लगा लिया, जिनसे संपर्क कर हमें आगे की कार्रवाई और पापा के संस्कार के लिए मार्गदर्शन और सहयोग मिला। उनके प्रयासों से जैसे-तैसे अंतिम संस्कार सम्पन्न हुआ। अगले ही दिन हम तय कार्यक्रम के अनुसार भारत के लिए चल पड़े। यह भी किसी ईश्वरीय शक्ति की कृपा मैंने हम पर अनुभव की कि हमारी टिकटें पहले से बुक थी।

इस दौरान हमने जो अकेलापन अनुभव किया, वह हम माँ बेटों के लिए जीवन का सबसे कटु अनुभव था, जिसमें हमने अपनों के साथ होने की आवश्यकता को हर पल शिद्दत से महसूस किया। यही तड़प निरन्तर मन को कचोटती रही कि काश! कोई अपना आकर गले से लगा ले तो हम जी भरकर रो लें। परन्तु वहाँ ऐसा कोई न था जो हमारे इस घोर दुःख में मन का साथी बनता। यहाँ अब जब अपनों ने गले लगाया तो उनके आलिंगन की ऊष्मा ने दिलों में जमे दर्द के पत्थर को पिघला दिया। आँखें रास्ता बन गयी और वह वेग से बाहर बहने लगा।

एक घण्टे का सफर तय कर बोलते-बतियाते, उन अथाह दुखों के पलों को अपनों से साझा करते हम दोनों की हालत पहले से कुछ-कुछ ठीक हो चुकी थी। गाँव में प्रवेश किया तो लोग रुक-रुक कर, एक तरफ होकर गाड़ी को रास्ता देने लगे। उनके व्यवहार में सम्मान और अपनत्व की झलक थी जैसे सारे गाँव को पता हो कि महेश को खोकर उसके बालक गाँव लौटे हैं।

अपनी गली में मुड़े तो पूरी गली लोगों से भरी हुई थी। यहाँ भी लोगों ने बड़े स्नेह से हमारी गाड़ी को रास्ता दिया। घर के सामने पहुँचकर तो घर-कुनबे और रिश्तेदारों ने हमें घेर लिया। बुआ चाची, मौसी, भाभी, चचेरे, ममेरे, फुफेरे जैसे सब रिश्तेदार हमारा दुख बाँट लेने को आतुर थे।

बड़ी बुआ से माँ का सदैव से गहरा स्नेह रहा है उनसे लिपटकर तो माँ बिलख ही पड़ी 'विदेश में कोए ना मरियो जीजी'

ऐसे द्रवित कर देने वाले उद्गारों से बुआ भी अपना धैर्य खो रही थी

'कहाँ छोड़ आई विमल मेरे भाई को, मेरे महेश को।'

'तू तो शांति रख यशवंती, इसे सम्भाल। ले पानी पी और अपनी भाभी को पिला। देख क्या हाल हो गया है इन माँ-बेटों का।' पिता की चाची ने दोनों को समझाते हुए कहा।

मुझे लगा कि अब हम अकेले नहीं हैं। यहाँ सब अपने हैं। कहाँ हम वहाँ एक चेहरा देखने को तरस गए थे, कहाँ यहाँ घर में तिल रखने की जगह नहीं थी। सब अपनी-अपनी सामर्थ्य अनुसार हमें तसल्ली दे रहे थे, दुःख की इस घड़ी में हमारे साथ खड़े थे। मुझे लगा काश! पापा यहाँ आकर अंतिम साँस लेते। मुझे माँ का वह वाक्य 'विदेश में कोए ना मरियो जीजी' कड़वे सच की तरह गले में अटका अनुभव हो रहा था।

मैं मन ही मन निश्चय कर चुका था, बहुत शीघ्र स्थायी रूप से अपने देश वापस लौटने का।

उधर, आज विमला को यह पानी भी अमृत लग रहा था। वह भी यही मन बना रही थी कि अब वे यही रहेंगे अपने देश में, अपनों के बीच।

लघुकथा
शकुंतला अग्रवाल शकुन

भिखारी

सुरेन्द्र जी ने अपने बेटे (पियूष) की पढ़ाई-लिखाई करवाने में कोई कसर नहीं रखी थी वैसे ही बेटे ने भी मेहनत से कभी जी नहीं चुराया था। नतीजन वह सॉफ्टवेयर इन्जीनियर बन कर बैंगलौर में सेटल हो गया। कुछ दिनों बाद ही अपनी सहकर्मी से शादी भी कर ली। अपना जीवन अपनी मर्जी से जीता है, माता-पिता की कभी खैर-खबर भी नहीं लेता। माता-पिता कभी कहते कि बेटा! कुछ दिनों के लिए हमारे पास भी आ जाओ तो समयाभाव की बोल कर इतिश्री कर लेता।

आखिरकार माता-पिता ने आपसी सहमती से अपनी सारी जमापूँजी वृद्धाश्रम को दान करने का मानस बनाकर, वहीं रहने भी लगे।

जब इस बात का बेटे को पता लगा तब तुरंत चला आया, आकर पिता से बोला-

'आपकी जमापूँजी पर केवल मेरा अधिकार है, वह मुझे ही मिलनी चाहिए।'

तब पिता बोले- कौनसा अधिकार? जिसको कर्तव्य याद नहीं ,उसके द्वारा अधिकारों की माँग करना, ऐसे लगता है जैसे द्वार पर कोई भिखारी खड़ा हो।

गजल
किरण यादव

वो तो इक दीवाना है
उसको क्या समझाना है

कुछ खोना, कुछ पाना है
जग का ताना - बाना है

ये दुनिया कुछ और नहीं
एक मुसाफ़िरख़ाना है

राजा, रंक, गृहस्थ, फ़क़ीर
इक दिन सबको जाना है

अपनी तो क़िस्मत में ही
हर दिन धोखा खाना है

चांदनी केशरवानी सुगंधा

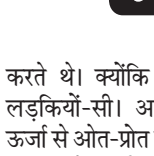

दिव्य प्रेम की धारा

अंतस में बहती जिसके बस, दिव्य प्रेम की धारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

कृष्ण साधना पूरी तब ही,जब राधे का गान हुआ।
प्रेम-दिवानी मीरा के हित,विष भी अमृत पान हुआ।
मन-नौका को प्रेम-सिंधु के, जिसने बीच उतारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

राधे के बिन सदा अधूरे,सबको ही घनश्याम दिखे।
सीता ने जब दर्पण देखा, तब तब ख़ुद में राम दिखे।
शबरी जैसे प्रबल प्रेम का ,जिसने लिया सहारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

वैदेही का त्याग-समर्पण, राम-कथा का सार बना।
सच्चाई ने छल को जीता, दीवाली त्योहार बना।
पावन प्रणय-भाव से चमके जिसका हृदय सितारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

पं. कमलकांत भारद्वाज

वक़्त ख़राब चल रहा था महंगी घड़ी ख़रीद ली
मुझे दोस्ती के लायक़ ना समझा और महोब्बत ख़रीद ली

मैं इतना परेशान हो चुका था ज़िंदगी में
सब कुछ बेच दिया और ज़हर की शीशी ख़रीद ली

मेरी नज़रों में अब गिर चुके है वो लोग
जिसने ईमान बेच दिया और सियासत ख़रीद ली

हमें अब डर नहीं लगता किसी का जनाब
हम वो हैं जिसने कफ़न बेच दिया और मौत ख़रीद ली

तवायफ़ से रूबरू हुए थे हम एक बार
पता चला कि उसने जिस्म बेच दिया और रूह ख़रीद ली

इतना रोए हैं एक शख़्स की याद में 'कमल'
नींद चैन सब बेच दिया और उसकी यादें ख़रीद ली।

राज ख्यालिया

विकास या विनाश

हरी-भरी थी धरती अपनी, पेड़ों से थी इसकी शान,
अब मशीनें चलने लगीं, कट रहे हैं सबके प्राण।

जंगल की छाँव थी जहाँ, थे पंछियों के मीठे बोल,
अब वहाँ बस शोर है, धूल और है बस कोलाहल।

भालू, हिरण, हाथी, गिलहरी सब कहाँ जाएँ?
घर उजाड़ कर उनका, हम क्या ही ऐसे पाएंगे

आईटी पार्क बनेगा, ऊँची इमारतें होंगी खड़ी,
पर किस कीमत पर? क्यों धरा पर ये ग़लती बड़ी?

कहो ये कैसा विकास है, जिसमें जीवन ही मिटे?
कैसी ये रौशनी कैसा उजाला जब साया भी कटे?

संभल जा ए खुदगर्ज इंसान, अब भी समय है,
जंगल के संग खुद को बचा यही असली विजय है।

साहित्यकार एवं कवि डा. अशोक अत्री का इस आधुनिक युग में साहित्य के सामने चुनौती को लेकर कहना है कि आज खासतौर से हरियाणवी साहित्य बदलाव के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में इस बात की आवश्यकता है कि साहित्य में गहन अध्ययन मनन करने से ही समाज, खासतौर से युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जुड़े रहने के लिए प्रेरित करने पर फोकस होना चाहिए, ताकि समाज में तेजी से उभरती कुरीतियों को दूर करने में मदद मिल सके।

साक्षात्कार
ओ.पी पाल

समाजहित में साहित्यिक अध्ययन का खास महत्व : डा. अशोक अत्री

साहित्य के क्षेत्र में गद्य और पद्य दोनों विधाओं में साहित्य साधना करते आ रहे लेखक समाज को नई दिशा देने के मकसद से अपने रचना संसार को दिशा दे रहे हैं। ऐसे ही साहित्यकारों में शिक्षाविद् डा. अशोक कुमार अत्री भी अपनी लेखनी से सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों के अलावा प्रकृति, पर्यावरण और सभ्यता तथा रीति-रिवाजों को अपनी रचनाओं में समाहित करके संस्कृति के संवर्धन करने में जुटे हुए हैं। एक शिक्षक के रूप में वे कॉलेज में सांस्कृतिक गतिविधियों की जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए युवा पीढ़ी को साहित्य से जुड़े रहने सीख देकर उन्हें विशेष रूप से हरियाणवी संस्कृति के देश विदेशों में बढ़ते प्रचार एवं प्रभाव का मौका दे रहे हैं।

हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान शिक्षाविद् एवं साहित्यकार डा. अशोक कुमार अत्री ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर कुछ ऐसे पहलुओं का जिक्र किया है, जिसमें साहित्य समाज को सकारात्मक संदेश देने में सक्षम है। हरियाणा के कैथल स्थित आरकेएसडी कॉलेज में सहायक प्रोफेसर डा. अशोक कुमार अत्री का जन्म 09 जनवरी 1974 को जींद जिले के गांव ऐचरा खुर्द में मामन राम व शांति देवी के घर में हुआ। उनका यह गांव साहित्यिक चेतना के स्थल के रूप में समृद्ध एवं प्रसिद्ध रहा है। अशोक के दादा पं ज्ञानीराम क्षेत्र के प्रसिद्ध गायक रहे हैं, तो उनकी दादी भी लोक सत्संग में लीन रहती थी। उनके पिता पं मामनराम एवं चाचा पं राजेंद्र शास्त्री रामलीला के मंजे हुए कलाकार रहे हैं। मसलन उनके परिवार में साहित्य और सांस्कृतिक माहौल रहा है लेकिन उनका साहित्यिक सफर बहुत बाद में शुरू हुआ यानी शिक्षण कार्य में आने के बाद ही उन्हें इस बात का अहसास हुआ कि उन्हें लेखन करना चाहिए।

उनका पहला कविता संग्रह 'दिल चाहता कुछ बताना था' जिसमें उनके जीवन संघर्ष से जुडी यादें समाहित है और इसकी थीम कविता 'वो दिन' एक लम्बी कविता है। इस संग्रह में जीवन के विभिन्न आयामों से सम्बंधित कविताएं शामिल हैं। विशेष रूप से हरियाणावी संस्कृति एवं उसके विभिन्न पक्षों को भी इसमें समायोजित किया गया है। उन्होंने बताया कि जब उनके चचेरे भाई आनंद को उनके द्वारा लेखन करने का पता लगा, तो उन्होंने अपना पब्लिकेशन शुरू किया एवं उनके कविता संग्रह की हजारों प्रतियाँ छाप दी। उन्होंने गांव का तालाब कविता का जिक्र करते हुए बताया कि ग्रामीण समाज में तालाब गांव की जीवन रेखा होते थे, कपडे धोना, नहाना, पशुओं को नहलाना, महिलाओं के द्वारा रीति रिवाज़ सभी इससे जुड़े होते थे, लेकिन अब ये ऊझाड, बेजान पड़े हैं, कब्जाग्रस्त हैं इसलिए यह मुद्दा भी सामाजिक सरोकार से जुड़ा है। इसी प्रकार बदलते परिवेश में सामाजिक और तीज त्यौहार व रीति रिवाज की चर्चा को लेकर भी उनके लेखन का फोकस रहा है। मसलन महात्मा गांधी के दर्शन पर आधारित कविता 'गांधी अकेला' एक और अन्य महत्वपूर्ण रचना में उन्होंने समकालीन समय में गांधी के आदर्शों के प्रति जनता की उदासीनता को उजागर किया है। इसके अलावा प्रकृति से जुड़ी कविताओं में पर्यावरण की समस्या को उठाया गया है। वहीं समाज की सजगता के लिए पति-पत्नी सम्बन्धों, नौजवानों और बच्चों पर भी उन्होंने कविताएं लिखी हैं। जीवन में उतार चढ़ाव आना भी स्वाभाविक है और उनके सामने भी स्वास्थ्य सम्बंधित समस्याएं उभरी और घबराहट से बचने का अलग तरीका ढूंढने लगा। कविता लेखन के साथ कहानी भी लिखना शुरू किया, तो राहत मिली। इसके बाद उनका कहानी संग्रह 'फिर सुबह' और उसके बाद कविता संग्रह 'आ अब लौट चलें प्रकृति की ओर' प्रकाशित हुआ।

उनके साहित्य में हरियाणवी संस्कृति के अनछुए पहलूओं को महत्व दिया गया है। वहीं, एक शिक्षक के रूप में महाविद्यालय में आज भी उनके पास सांस्कृतिक गतिविधियों की जिम्मेदारी हैं, जिसमें महाविद्यालय राज्यस्तरीय रत्नावली कार्यक्रम का विजेता होने के कारण वह हरियाणवी संस्कृति पर ज्यादा जोर देते आ रहे हैं। नई पीढ़ी को वे विशेषरूप से सांग, रिचवल, चौपाल, नृत्य को विशेष तवज्जो एवं फुलझड़ी एवं बिंदरवाल बनाना जैसी विधाएं सिखा रहे हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

डा. अशोक कुमार अत्री की प्रकाशित प्रमुख पुस्तकों में कविता संग्रह 'दिल चाहता कुछ बताना था' और 'आ अब लौट चलें प्रकृति की ओर', कहानी संग्रह 'फिर सुबह' के अलावा पुस्तक 'भारत एवं मध्य एशिया के गणराज्य' हैं। जबकि उनकी दो कृति यानी रचना 'ये कौन छायाकार है' और एवं 'यात्रा वृत्तांत' प्रकाशनाधीन है। उनके साहित्य में हरियाणवी संस्कृति के अनछुए पहलूओं को महत्व दिया गया है। वहीं उनकी महात्मा गांधी के दर्शन पर आधारित कविता 'गांधी अकेला' भी सुर्खियों में रही है।

डा. अशोक कुमार अत्री

पुरस्कार व सम्मान

साहित्यकार डा. अशोक अत्री को हरियाणा साहित्य अकादमी ने उनकी पुस्तक के लिए प्रकाशन प्रोत्साहन के लिए नकद राशि दी है, तो वहीं उन्हें साहित्य सभा कैथल से बीबी भारद्वाज समृति सम्मान, हरियाणा संस्कृत अकादमी से प्रशस्ति पत्र, अग्रवाल सभा कैथल से साहित्य सम्मान, डीएवी महाविद्यालय करनाल से सांग विधा के प्रचार प्रसार के लिए सम्मान जैसे अनेक पुरस्कार व सम्मान से नवाजा गया है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डा. अशोक कुमार अत्री
जन्मतिथि : 09 जनवरी 1974
जन्म स्थान : गांव ऐंचरा खूर्द, जींद (हरियाणा)
शिक्षा : बी.ए, बी.एड. एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
संप्रति : असिस्टेंट प्रोफेसर(राजनीतिक शास्त्र), लेखक, साहित्यकार

संस्कृति व आस्था का प्रतिबिंब 'श्री श्याम महिमा'

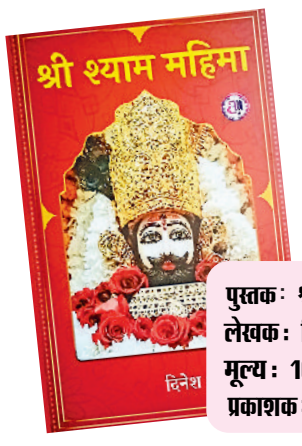

पुस्तक : श्री श्याम महिमा
लेखक : दिनेश शर्मा 'दिनेश'
मूल्य : 160 रुपये
प्रकाशक : अद्विक पब्लिकेशन

पुस्तक समीक्षा
ललित शर्मा

श्री श्याम महिमा दिनेश शर्मा 'दिनेश' द्वारा लिखित एक उत्कृष्ट पुस्तक है जो भारतीय संस्कृति, सभ्यता और धार्मिक आस्थाओं का संपूर्ण परिचय प्रस्तुत करती है। इस पुस्तक में न केवल भारत की धार्मिक धरोहरों का विस्तार से वर्णन किया गया है, बल्कि श्री श्याम के आध्यात्मिक महत्व पर भी प्रकाश डाला गया है। अपनी गहन अध्ययनशीलता और संवेदनशीलता के साथ लेखक ने इस कृति को तैयार किया है, जो न केवल भक्तों के लिए प्रेरणादायक है, बल्कि सामान्य पाठकों के लिए भी उपयोगी है। पुस्तक में कुल छह खंड हैं, जो विभिन्न पहलुओं पर आधारित हैं।

भारत एक परिचय - इस खंड में लेखक ने भारत की भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक झलक प्रस्तुत की है। यह खंड भारत की विविधता, उसकी एकता और समृद्ध इतिहास का संक्षिप्त विवरण देता है।

सभ्यता संस्कृति और भारत - इस खंड में लेखक ने भारत की प्राचीन सभ्यता, संस्कृति और उसके मूल्यों पर विचार किया है। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, जिसमें विविध संस्कृतियों और धर्मों का समावेश है, का प्रभावी चित्रण किया गया है।

भारत के पवित्र तीर्थ एवं धाम - यह खंड विशेष रूप से तीर्थों और भारत के पवित्र स्थलों पर केंद्रित है। यहाँ लेखक ने भारत के विभिन्न तीर्थस्थलों की पवित्रता और उनके धार्मिक महत्व का वर्णन किया है। पुस्तक का यह हिस्सा पाठकों को भारत के धामों की यात्रा करवाता है।

ऐतिहासिक संदर्भों में श्री श्याम - इस खंड में श्री श्याम जी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला है। ऐतिहासिक स्रोतों और ग्रंथों के माध्यम से श्री श्याम जी के अस्तित्व और उनके योगदान का विवेचन किया गया है।

लौकिक संदर्भों में श्री श्याम - इसमें लेखक ने श्री श्याम जी के लौकिक जीवन, उनके विचारों और कर्मों के प्रति समाज में फैले विश्वास का वर्णन किया गया है।

सुप्रसिद्ध श्री श्याम तीर्थ - यह खंड विशेषकर हरियाणा के श्री श्याम के प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों पर केंद्रित है। लेखक ने उन स्थलों का विशेष विवरण दिया है।

कुल मिलाकर, यह पुस्तक भारतीय संस्कृति और धार्मिक आस्थाओं को समझने के लिए एक आदर्श कृति है। यह पुस्तक निश्चित रूप से उन सभी पाठकों के लिए लाभकारी होगी जो भारतीय धार्मिक परंपराओं और श्री श्याम जी के आध्यात्मिक महत्व को गहराई से समझना चाहते हैं। लेखक दिनेश शर्मा को उनके इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं।

खबर संक्षेप

खुशियों का प्रतीक है बैसाखी पर्व : कमल

सोनीपत। मॉडल टाउन स्थित गुरुद्वारा में बैसाखी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। अतिथि के रूप में पहुंचे कांग्रेस नेता एवं समाजसेवी कमल दिवान ने माथा टेका और सभी को पर्व की बधाई दी। गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान मनजीत सिंह व अन्य कमेटी सदस्यों ने कमल दीवान का सरोपा भेंट कर स्वागत किया।कांग्रेस नेता एवं समाजसेवी कमल दिवान ने संगत को बताया कि 13 अप्रैल 1699 को सिखों के दसवें गुरु गोबिद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। उनके अदम्य साहस व शौर्य को याद करते हुए इस दिन को बैसाखी पर्व के रूप में मनाते हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व खुशियों का प्रतीक है। उन्होंने हिंदुओं के नववर्ष के आगाज की सभी को बधाई दी।

कर्मचारी से मारपीट के दो आरोपित गिरफ्तार

सोनीपत। सेक्टर-27 शहर थाना सोनीपत क्षेत्र में स्थित नागरिक अस्पताल में तैनात कर्मचारी से मारपीट करने की वारदात में शामिल दो आरोपितों को एसएजी यूनिट सेक्टर-7 ने शामिल तफ्तीश (जांच) में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित कपिल व आदित्य है। पुलिस ने आरोपितों से पूछताछ करके जमानत पर रिहा कर दिया। पुलिस वारदात में शामिल अन्य आरोपितों की तलाश कर रही है। गांव समसपुर गामड़ निवासी सुरजीत ने गत 5 फरवरी को पुलिस से शिकायत देकर बताया कि वह नागरिक अस्पताल की ओपीडी नंबर-20 में तैनात चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के तौर पर तैनात है। वह अपने कमरे के बाहर ड्यूटी पर तैनात था।

साइबर सेफ्टी और सिक्योरिटी पर सेमिनार

खरखौदा। एपी गर्ग पब्लिक स्कूल में सीबीएससी के द्वारा साइबर सेफ्टी और सिक्योरिटी पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अनेक विद्यालयों के अध्यापकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को साइबर सेफ्टी व सुरक्षा के बारे में अवगत करवाना था। इस कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय निदेशक मोहनलाल गुप्ता द्वारा दीप प्रज्वलित एवं स्वागत भाषण से हुआ। इसके पश्चात विशेष विशेषज्ञों डॉ सीमा मलिक व भूमिका आनंद द्वारा विषय का संचालन रोचक संवादात्मक शैली में किया गया। शिक्षकों ने चर्चा में उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं साइबर समस्याओं पर समाधान साझा किए।

हमला करने की वारदात में शामिल दो गिरफ्तार

सोनीपत। सदर थाना सोनीपत पुलिस ने जानलेवा हमला करने की वारदात में शामिल दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित प्रवीन व हिमांशु निवासी सलीम सर माजरा का है। पुलिस ने आरोपितों को अदालत में पेश किया। जहां से दोनों को एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। रिमांड अवधि के दौरान आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर गोली चलाकर हमला करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने दोनों पक्षों के बयान पर मुकदमें दर्ज किए हुए है। गांव सलीम सर माजरा निवासी आकाश ने गत 11 अप्रैल को पुलिस से शिकायत देकर बताया कि वह खेती करता है।

दुकानदार का अपहरण कर पीटने का आरोप

सोनीपत। मुरथल थाना क्षेत्र में दुकानदार का अपहरण कर खेतों में ले जाकर मारपीट कर घायल करने के आरोप का मामला सामने आया है। पीड़ित का आरोप है कि आरोपितों ने उसे जान से मारने की धमकी। पुलिस ने इस संबंध में तुरंत प्रभाव से कार्रवाई करते हुए आरोपितों के चंगुल से दुकानदार को छुड़वाया। पुलिस ने इस संबंध में दो सगे भाइयों सहित पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित मनोज, सुनील, राहुल, रितिक गांव नांदनौर और तारीफ भिगान का रहने का है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। गांव मंडौरान उत्तर प्रदेश निवासी अनीस ने पुलिस को बताया कि वह अपने भाई लालू अली के साथ मुरथल में कबाड़ी की दुकान चलाता है।

लिटल एंजल्स स्कूल में मनाया बैसाखी का पर्व

सभी आपस में भाईचारे से रहें व एकता बनाए रखें: गीता अरोड़ा

रंगारंग कार्यक्रमों से विद्यार्थियों ने मोहा सबका मन

इस दिन सिक्खों के दसवें व अन्तिम गुरु गुरु गोविन्द सिंह जी ने खालसा पंथ की नींव रखी थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

लिटल एंजल्स स्कूल में बैसाखी व अम्बेडकर जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या आशा गोयल, उपप्रधानाचार्या गीता अरोड़ा व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। बैसाखी व अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में विद्यालय में एक सभा का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम छात्रों ने बैसाखी का प्रसिद्ध गीत गाया। इसके पश्चात विद्यालय की अध्यापिका अर्चना नागपाल ने अपने भाषण में कहा कि वैसाखी का पर्व हर्षोल्लास का पर्व है इस दिन सिक्खों के दसवें व अन्तिम गुरु 'गुरु गोविन्द सिंह जी' ने खालसा पंथ की नींव रखी थी। उन्होने 'डॉ. भीमराव अम्बेडकर' के जीवन के बारे में भी बताया। प्रधानाचार्या आशा गोयल ने बच्चों को संबोधित करते कहा कि वैसाखी एक कृषि पर्व है, किसान खेतों में खड़ी फसलों की कटाई वैसाखी के दिन ही शुरू करते हैं। इस मौके पर रंगारंग कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। विद्यालय की प्रधानाचार्या आशा गोयल व उपप्रधानाचार्या गीता अरोड़ा ने सभी को वैसाखी की बधाई व शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इन त्योहारों से हमें सीखना चाहिए कि हम सभी आपस में भाईचारे से रहें और एकता बनाए रखें।

सोनीपत। लिटल एंजल्स स्कूल में कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देती छात्राएं।

सोनीपत। ब्राइट स्कॉलर स्कूल में प्रतिभागी विद्यार्थी कलाकृति दिखाते हुए।

सामाजिक समरसता कार्यक्रम

गन्नौर। सामाजिक समरसता मंच गन्नौर द्वारा डा. भीमराव अंबेडकर व महात्मा ज्योतिबा फुले के जन्मोत्सव पर रेलवे रोड स्थित श्री विश्वकर्मा मंदिर में सामाजिक समरसता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में समानता, न्याय व बंधुत्व को बढ़ावा देना था। अध्यक्षता डा. कविता कमल सिंह दहिया, एसोसिएट प्रोफेसर, एसआरएम विश्वविद्यालय ने की। उन्होंने माता आहिल्याबाई होल्कर के जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही। विशिष्ट अतिथि स्वामी शेषनारायण जी, मुरथल आश्रम ने धर्म परिवर्तन व जातीय भेदभाव के खिलाफ जागरूकता की आवश्यकता बताई। मुख्य वक्ता चंद्र सिंह, प्रांत धर्म जागरण प्रमुख ने डा. अंबेडकर व महात्मा फुले के विचारों को प्रासंगिक बताते समाज को अनुशासन व समरसता के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

ब्राइट स्कॉलर स्कूल में बैसाखी पर्व मनाया

सोनीपत। राइट स्कॉलर सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने बैसाखी का पर्व उत्साह के साथ मनाया। दिन की शुरुआत कक्षा प्री प्राइमरी के विद्यार्थियों द्वारा गुरुद्वारा में दर्शन के साथ हुई, उसके बाद रबी की फसलों और छात्रों के प्रदर्शन को प्रदर्शित करने वाली एक विशेष सभा हुई। पोस्टर मेकिंग, पंखा क्राफ्टिंग और बैसाखी से संबंधित कला जैसी आकर्षक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। छात्रों ने पारंपरिक मिठाइयों का आनंद लिया और पंजाब और हरियाणा की समृद्ध विरासत के बारे में जाना। उत्सव ने कृतज्ञता, खुशी और एकता की भावना को खूबसूरती से दर्शाया। प्राचार्या किरण दलाल ने बताया कि ये त्यौहार हमें हमारी संस्कृति से जोड़े रखते है और कोई न कोई अच्छा सन्देश हमारे जीवन को देते है। उन्होंने सभी को बैसाखी पर्व के बधाई दी।

सोनीपत। कार्यक्रम में पहुंचें मेयर राजीव जैन का स्वागत करते हुए।

धर्म की रक्षा की थी गुरु गोबिंद सिंह जी ने : जैन

■ गुरूद्वारा कलगीधर मॉडल टाऊन में तीन दिवसीय कार्यक्रम का समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

नगर निगम मेयर राजीव जैन ने कहा है कि खालसा साजना दिवस 'बैशाखी' मुगलों के आतंक से डरे-सहमे, दबे-कुचले लोगों में जोश भरकर उन्हें मुगलों के शासन को उखाड़ फैंकने के लिए तैयार करने का दिन है, इस अदम्य साहस एवं शौर्य के लिए हम गुरू गोबिंद सिंह जी को याद करते हैं जिन्होंने खालसा पंथ की स्थापना की।

राजीव जैन ने गुरूद्वारा कलगीधर मॉडल टाऊन में तीन दिवसीय कार्यक्रम के समापन के अवसर पर माथा टेका और प्रबंधक समिति ने सरोपा भेंट किया। उन्होंने कहा कि गुरू के पंज प्यारों में सभी जाति के लोग शामिल थे। इसलिए जातपात से ऊपर उठकर हिन्दू धर्म की रक्षा की गई और अन्ततः मुगलों को मैदान छोड़कर भागना पड़ा। उन्होंने बैशाखी की बधाई देते हुए कहा कि इस दिन पकी हुई फसल की कटाई शुरू होने से किसान के साथ साथ हर वर्ग में खुशहाली की शुरुआत होती है। राजीव जैन ने राज मोहल्ला में पूर्व पार्षद जवाहर बत्रा के निवास पर आयोजित सुखमणि साहब के पाठ में पहुंचकर माथा टेका और श्रद्धालुओं को बधाई दी।

धर्मबीर सैनी सर्वसम्मति से बने सैनी सभा के प्रधान

खरखौदा। रविवार को रोहतक रोड स्थित सैनी चौपाल में सैनी समाज की पंचायत हुई। जिसमें सैनी सभा के प्रधान का चुनाव किया गया। पंचायत में खरखौदा के सभी मोहल्लों से समाज के लोग पहुंचे। सबसे पहले पांच लोगों को सभासद नियुक्त किया गया। इन्हीं सभासदों ने प्रधान के चुनाव की प्रक्रिया शुरू की। प्रधान पद के लिए तीन नाम सामने आए। धर्मबीर सैनी, सीताराम सैनी और पार्षद गोपाल सैनी। इसके बाद पांचों सभासद एक कमरे में गए। विचार-विमर्श के बाद धर्मबीर सैनी के नाम पर सहमति बनी। पंचायत में धर्मबीर को सर्वसम्मति से सैनी सभा का प्रधान घोषित किया गया। पंचायत में यह सुझाव भी आया कि महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले सेवा समिति का प्रधान भी सैनी सभा के प्रधान को ही माना जाए। लेकिन इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया गया।

टीम सन ने वापसी करते टीम स्टार को 3-1 से पराजित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

प्रीतम सिवाच स्पोर्ट्स प्रमोशन फाउंडेशन द्वारा संचालित हॉकी अकादमी के औद्योगिक क्षेत्र स्थित घास के मैदान पर अंडर-14 मिक्स्ड हॉकी प्रतियोगिता (बॉयज एंड गर्ल्स) का आयोजन हुआ, जिसमें कुल चार रोमांचक मैच खेले गए। शनिवार को हुए मुकाबलों में पहले मैच में टीम क्लाउड ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए टीम सन को 4-2 से पराजित किया। वहीं दूसरे मैच में टीम स्टार ने टीम मून को 3-1 से मात दी। इस दिन की प्रतियोगिता की मुख्य अतिथि बेस्ट टीचर अवार्डी मोनिका बत्रा रिलन रहीं, जिन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। रविवार को भी दो मुकाबले खेले गए। पहले मैच में टीम सन ने वापसी करते हुए टीम स्टार को 3-1 से हरा दिया। दूसरा मैच टीम मून और टीम क्लाउड के बीच खेला गया, जो 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। इस दिन के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध क्रिमिनल लॉयर जितेन्द्र कुमार रहे। खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया।

सोनीपत। मुख्यातिथि एडवोकेट जितेंद्र कुमार का स्वागत करते हुए।

राष्ट्र निर्माण में नवयुवकों की अहम भूमिका

महात्मा आशानन्द वधवा हिन्दू मंच ने किया कार्यक्रम का आयोजन

■ जलियांवाला बाग के शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

महात्मा आशानन्द वधवा हिन्दू मंच, सोनीपत द्वारा आयोजित तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव, गायत्री महायज्ञ तथा वैसाखी पर्व का समापन अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण गायत्री महायज्ञ रहा, जिसकी पूर्णाहुति आचार्य शिव कुमार शास्त्री के ब्रह्मत्व में विधिपूर्वक सम्पन्न कराई गई। आचार्य जी ने वैसाखी पर्व के अवसर पर जलियांवाला बाग के शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उपस्थित श्रद्धालुओं को किसानों की खुशहाली के इस पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, ₹हम इस पर्व के माध्यम से बच्चों में अच्छे संस्कार विकसित करें, जिससे वे देश का नाम रोशन करें। राष्ट्र निर्माण में नवयुवकों की अहम भूमिका है। कार्यक्रम के दौरान सुप्रसिद्ध भजनोपदेशक संगीत रत्न आचार्य प्रदीप शास्त्री ने देशभक्ति, सामाजिक, पारिवारिक विषयों एवं स्वामी दयानन्द सरस्वती के प्रेरणादायक गीतों के माध्यम से श्रद्धालुओं को भावविभोर किया। समारोह के समापन के पश्चात भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें समुचित व्यवस्था रही और श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर आत्मिक शांति प्राप्त की। मंच का सुंदर संचालन श्री हरिचन्द स्नेही द्वारा किया गया। इस अवसर पर हंसराज वधवा, ललित महेंद्रू, हरभगवान रहेजा, रामकिशन बत्रा, देसराज अरोड़ा, ओमप्रकाश झांब, रविंद्र कुकरेजा, सुरेश बत्रा, ऋषिपाल भदाना, सुनीता अरोड़ा, राजरानी, मीनाक्षी मदान सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे और कार्यक्रम से लाभान्वित हुए।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान मंचासीन आर्य समाज के विद्वान।

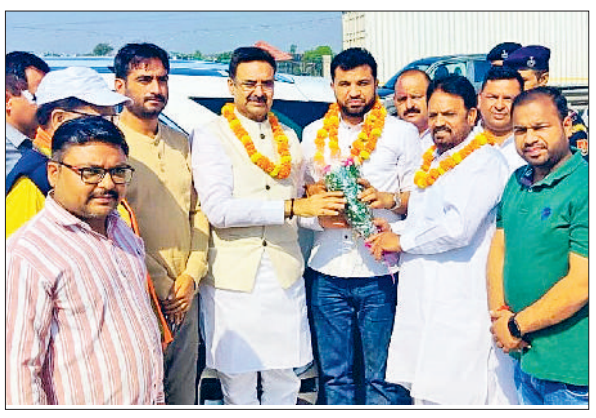

गन्नौर। विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर सिंह कल्याण का जीटी रोड पर विधायक देवेंद्र कादियान व भाजपा नेता आजाद सिंह नेहरा व कार्यकर्ता स्वागत करते हुए ।

विधानसभा अध्यक्ष का किया स्वागत

गन्नौर। हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष एवं घरौंडा हल्के से तीसरी बार के विधायक हरविंदर सिंह कल्याण का गन्नौर जीटी रोड पर विधायक देवेंद्र कादियान व भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता आजाद सिंह नेहरा , राजपुर मण्डल अध्यक्ष श्रवण कौशिक , गन्नौर मण्डल अध्यक्ष अजय जैन, दातौली मण्डल अध्यक्ष गोरव कामरा पुरखास मण्डल महामंत्री सुखबीर प्रजापति, सरपंच गढी झज्जारा कमलनाथ, सुभाष आदि ने फूल माला से स्वागत किया।

विकास की नॉन स्टाप रफ्तार भर रहा हरियाणा : डॉ. अरविंद शर्मा

■ आयोजित रक्तदान कैंप में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे पर्यटन मंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर प्रधानमंत्री का शुभ आगमन हरियाणा में हो रहा है। हजारों करोड़ की परियोजनाओं के साथ हरियाणा अब विकास की नान स्टॉप रफ्तार भर रहा है। डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर रविवार को गोहाना के अंबेडकर चौक में जनता महादलित संघ द्वारा रक्तदान शिविर का बतौर मुख्य अतिथि शुभारंभ कर रहे थे। डॉ. शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हरियाणा से बहुत स्नेह रहा है। इस बार उनका आगमन बाबा साहब की जयंती पर हिसार और यमुनानगर में हो रहा है। पूर्व विधायक बिशम्भर वाल्मीकि, राजकुमार वाल्मीकि, सन्दीप तुसामड़, सुरेन्द्र विश्वास, भाजपा मंडल अध्यक्ष भूपेन्द्र मुदगिल, प्रवीण खुराना आदि मौजूद रहे।

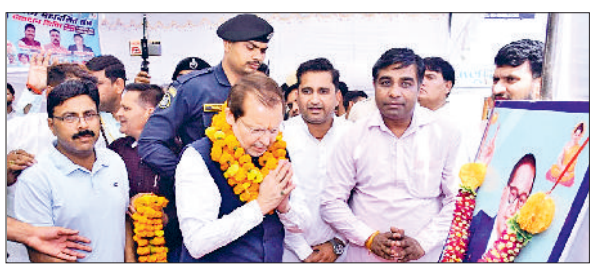

गोहाना। डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित करते डॉ. अरविंद शर्मा।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी छात्राओं को सम्मानित करते समिति के पदाधिकारी।

वार्षिक उत्सव का आयोजन किया

सोनीपत। समाज सेवा समिति द्वारा जरूरत मंद परिवारों हेतु 43 वां चावल एवं कॉपी वितरण समारोह गीता भवन में रविवार को वार्षिक उत्सव के साथ आयोजित किया गया। मौके पर देश भक्ति व लोक नृत्य कार्यक्रम की प्रस्तुति के साथ आयोजन किया । समारोह में मेयर राजीव जैन ने प्रमुख रूप से शिरकत की। संस्था के प्रधान प्रवीन वर्मा, सरपरस्त रत्नेश बत्रा ने संयुक्त रूप से बताया कि इस समारोह की शुरुआत सांस्कृतिक कार्यक्रम से की गई और विशेष सहयोगी सतीश अरोड़ा, लक्ष्मी नारायण खंडेलवाल, आरपी मलिक, शिवदयाल चुघ, सुरेश रेलन, आरके बत्रा, केके बत्रा ओपी मुंजल, मदन लाल कत्याल महेश तनेजा का विशेष सहयोग देने पर धन्यवाद किया। समारोह के मुख्य अतिथि मेयर राजीव जैन की मौजूदगी में निर्धन परिवार के 500 व्यक्तियों को चावल के कट्टे तथा 500 विद्यार्थियों को 10-10 कॉपियां वितरित की गई।

निरीक्षण मंडी में किसानों और आढ़तियों को कोई दिक्कत नहीं आने दी जाएगी : देवेंद्र

नमी से खरीद बंद, विधायक ने दिए निर्देश- कहा सैनी सरकार किसानों का एक-एक दाना खरीदेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर मंडी में गेहूं की खरीद नमी के कारण रुक गई। गोदाम से ट्रक वापस भेजे गए है। आढ़तियों ने इसे अधिकारियों की मनमानी बताया। उन्होंने विधायक देवेंद्र कादियान को समस्या से अवगत कराया। उसके बाद विधायक देवेंद्र कादियान ने पहले पुरखास गांव के परचेज सेंटर का दौरा किया। किसानों से बात की। फिर गन्नौर अनाज मंडी पहुंचे। आढ़तियों से मुलाकात की। आढ़तियों ने बताया कि बारिश के कारण गेहूं में नमी है। इसी वजह से खरीद नहीं हो रही। गोदाम से ट्रक लौटाए जा रहे हैं। विधायक ने मौके पर अधिकारियों से बात की। अधिकारियों ने कहा कि तय मानक से ज्यादा नमी होने पर गेहूं खराब हो सकता है। फिर भी कोशिश करेंगे कि किसानों को परेशानी न हो। आढ़तियों ने बारदाना की कमी की बात भी रखी। विधायक ने भरोसा दिलाया कि मंडी में किसानों और आढ़तियों को कोई दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। मंडी में पेयजल और अन्य जरूरी सुविधाएं देने को कहा गया है। विधायक ने कहा कि सरकार किसानों का एक-एक दाना खरीदेगी। अनाज मंडी प्रधान सुरेंद्र ने बताया कि गेहूं में नमी तय मानक से थोड़ी ज्यादा है। इसी कारण खरीद नहीं हो रही थी। बारदाना है, लेकिन स्पेयर में नहीं है। काम जारी है।

गन्नौर। विधायक देवेंद्र कादियान अनाज मंडी में गेहूं खरीद को लेकर दौरा करते हुए साथ में मंडी के आढ़ती व किसान। फोटो :हरिभूमि

रविवार को गन्नौर मंडी में खरीद नहीं होती: जगबीर

मार्केट कमेटी अधिकारी जगबीर सिंह ने बताया कि हर रविवार को गन्नौर मंडी में खरीद नहीं होती। सिर्फ लिफ्टिंग होती है। अब तक मंडी और सेंटरों पर 2 लाख 24 हजार 930 क्विंटल गेहूं पहुंच चुका है। शुरू में नमी के कारण ट्रक लौटाए गए थे। अब स्थिति सामान्य है। आढ़तियों को रविवार को खरीद न होने की जानकारी नहीं थी। इसलिए विधायक को बताया गया।

खरखौदा। विधायक कृष्णा गहलावत को स्मृति चिह्न भेंट करते आयोजक।

ताइक्वांडो टूर्नामेंट का उद्घाटन

खरखौदा। रामचंद्र स्मृति तीन दिवसीय प्रथम ताइक्वांडो टूर्नामेंट का आयोजन कन्या महाविद्यालय, खरखौदा में किया जा रहा है। टूर्नामेंट का शुभारंभ राई हलके की विधायक कृष्णा गहलावत, खरखौदा के विधायक पवन खरखौदा, चेयरमैन हीरालाल इंदौरा और ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष अमित ने सामूहिक रूप से किया। इस प्रतियोगिता में देशभर से 800 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग ले रहे हैं। उद्घाटन सत्र में खिलाड़ियों ने अनुशासन, मेहनत और खेल भावना का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने माता-पिता, गुरुजनों और प्रदेश का नाम रोशन किया। टूर्नामेंट में भीम अवार्डी और अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता सौरव शर्मा और संदीप कुंडू की उपस्थिति विशेष आकर्षण रही। दोनों ने मंच से बच्चों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने मेहनत और समर्पण से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

खबर संक्षेप

दंपति ने पौधरोपण के साथ मनाई शादी की सालगिरह

गोहाना। गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने को कृतसंकल्प समाज कल्याण संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा ने रविवार को पत्नी सुमन जांगड़ा के साथ पौधरोपण करके शादी की 25वीं सालगिरह मनाई। अभियान के तहत संगठन के सदस्यों ने 18 पौधे रोपे।

समाज का पतन रोकने के लिए संस्कार जरूरी: अनिल

गोहाना। आर्य समाज गोहाना मंडी इकाई का त्रिदिवसीय वार्षिकोत्सव का रविवार को हवन के साथ समापन हो गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इकाई के अध्यक्ष धर्मपाल आर्य ने की। जनोपदेशक अनिल दत्त ने कहा कि संस्कारों के अभाव में आज समाज का पतन होता जा रहा है।

विद्यार्थियों की दक्षता बढ़ाएगा शिक्षा विभाग

बालवाटिका 3 से कक्षा 5 तक के विद्यार्थियों के लिए होंगी गतिविधियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

शिक्षा विभाग अब छोटी कक्षाओं में ही बच्चों की दक्षता पहचानने का काम शुरू करने वाला है। नए शैक्षणिक सत्र के साथ ही विभाग का काम शुरू हो जाएगा। जिसके लिये बकायदा योजना बनाई गई है। योजना के तहत बालवाटिका 3 से कक्षा 5 तक की कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिये अलग अलग तरह की गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इन गतिविधियों के जरिये ही विद्यार्थियों की दक्षता बढ़ाई जाएगी। दक्षता पहचानने के लिये कक्षा तत्परता कार्यक्रम 15 अप्रैल से शुरू हो रहा है। विशेष बात ये है कि कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों की मूल्यांकन रिपोर्ट भी तैयार की जाएगी। रिपोर्ट को पोर्टल पर भी अपलोड किया जाएगा।

बता दें कि नए शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ के साथ ही स्कूलों में विद्यार्थी संख्या बढ़ाने के लिए प्रवेश उत्सव भी मनाया गया। विभाग ने अब निपुण हरियाणा मिशन के तहत कक्षा तत्परता कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है। जिसमें करवाई जाने वाली गतिविधियों की रुपरेखा स्कूलों को भेज दी गई हैं। कक्षा तत्परता कार्यक्रम 15 अप्रैल से शुरू होकर 23 मई तक चलेगा। जिसमें बाल वाटिका 3 के विद्यार्थियों को स्कूल के वातावरण के अनुकूल बनाते हुए शिक्षकों व सहपाठियों से परिचित करवाया जाएगा। इस दौरान बच्चों में विद्यालय की दिनचर्या, प्रतिदिन स्कूल आना, आत्मविश्वास बढ़ाने सहित अनेक गतिविधियां करवाई जाएंगी।

हिंदी व अंग्रेजी में किया जाएगा निपुण: इसके अलावा पहली कक्षा के विद्यार्थियों को संख्या ज्ञान, दूसरी कक्षा के विद्यार्थियों में चार से पांच वर्ण या अक्षरों वाले शब्दों को पढ़ पाने की दक्षता पैदा की जाएगी। उन्हें संख्या ज्ञान व संख्या बोध करवाया जाएगा। तीसरी से पांचवीं तक के विद्यार्थियों को हिंदी व अंग्रेजी विषय में निपुण किया जाएगा।

मूल्यांकन के लिए औचक निरीक्षण भी होगा

विभाग ने सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों, प्राचार्यों, एफएसएल समन्वयक व अन्य अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे स्कूलों का औचक निरीक्षण करें। इस दौरान कार्यक्रम के कार्यान्वयन का मूल्यांकन करें। क्लास रेडीनेस पासबुक का मूल्यांकन करते हुए दर्ज किए गए डाटा की पुष्टि करें। राजकीय विद्यालयों में बच्चों की दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से कक्षा तत्परता कार्यक्रम की शुरुआत की जाएगी। जिसको लेकर सभी को जरूरी निर्देश दे दिए गए हैं।

शैक्षणिक भ्रमण करवाएंगें समीक्षा बैठक भी होगी

कक्षा तत्परता कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों की प्रोग्रेस को लेकर सभी मेंटर्स हर स्कूल की खंड स्तरीय समीक्षा बैठकों के माध्यम से ट्रैक करेंगे। कक्षा में महत्वपूर्ण दिनों में उत्सव मनाए जाएंगे और उनका रिकार्ड रखा जाएगा। विद्यार्थियों के लिए स्कूल के आसपास ही शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन भी किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों की प्रगति का रिकार्ड दो सप्ताह में एक बार क्लास रेडीनेस स्किल पासबुक में दर्ज किया जाएगा।

कमियों और खूबियों की होगी पहचान

कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों की कमियों और खूबियों की पहचान कर बेहतर ढंग से शिक्षा प्रदान करना है। कार्यक्रम का समापन 23 मई को किया जाएगा।

-नवीन गुलिया, जिला शिक्षा अधिकारी, सोनीपत

बालाजी जन्मोत्सव पर जागरण भजनों पर जमकर झूमे भक्त

गन्नौर। राजलु गढ़ी में श्री बालाजी धाम मंदिर के भगत जगजीत दीप प्रज्वलित करके जागरण का शुभारंभ करते हुए । फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

श्री बालाजी जन्मोत्सव पर देर रात आयोजित जागरण में श्रद्धालु बाबा की भक्ति में डूबकर देर रात तक भजनों पर झूमते रहे। कलाकारों ने श्री बालाजी महाराज का गुणगान किया। गांव राजलु गढ़ी में स्थित श्री बालाजी धाम मंदिर में बालाजी के भगत जगजीत ने दीप प्रज्वलित करके जागरण का शुभारंभ किया । बालाजी का भव्य दरबार सजाया गया। गायकों ने भजन की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। देर रात भंडारे का आयोजन किया गया। गणेश वंदना से शुरुआत हुई।

वक्रतुंड महाकाय की धुन पर भगवान गणेश को रिझाया। ओ मां अंजनि के लाल तुम्हारा क्या कहना.जय श्रीराम बोले जय हनुमाना.छम छम नाचे मोरे वीर हनुमाना के बोल पर बालाजी की अटूट श्रद्धा भक्ति दिखाई। जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा। बालाजी के भगत जगजीत ने कहा कि हनुमान जयंती के अवसर पर, मेरी कामना है कि जीवन में नकारात्मकता और खतरों से आपको बचाने के लिए हनुमान जी हमेशा मौजूद रहें। हनुमान जन्मोत्सव एक ऐसा पावन अवसर है जब आस्था और भक्ति की लहरें हर दिशा में उमड़ती हैं।

समाज की तरक्की के लिए सामूहिक शक्ति व लक्ष्य जरूरी : विस अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

■ गांव पुरखास में गुरू भागमल जी की प्रतिमा का अनावरण किया

गन्नौर। गुरू भागमल जी की प्रतिमा का अनावरण करते विस अध्यक्ष हरविंदर कल्याण साथ में विधायक देवेंद्र कादियान।

विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने रविवार को गांव पुरखास में गुरू भागमल जी की प्रतिमा का अनावरण किया। इसके बाद गुरू भागमल आराधना भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने संतजनों से आशीर्वाद लिया। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि समाज की तरक्की के लिए सामूहिक शक्ति और लक्ष्य जरूरी हैं। इसके लिए अच्छे वातावरण की जरूरत होती है। हरविंदर कल्याण ने शिवेन्द्र मुनि का धन्यवाद किया। कहा कि उनके प्रयास से यह सामूहिक कार्यक्रम संभव हुआ। इससे समाज में भाईचारा और प्रेम बढ़ता है।

उन्होंने बताया कि उन्हें बचपन से ही महापुरुषों का आशीर्वाद मिला है। उनका गांव कुटैल तपोभूमि है। वहां संत संतोष गिरी महाराज ने तप किया था। कार्यक्रम के दौरान आयोजित भंडारे में उन्होंने प्रसाद भी ग्रहण किया। गन्नौर विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि समाज को अपने उत्थान और विकास के लिए अध्यात्म के रास्ते पर बढ़ना चाहिए। अध्यात्म ही वह शक्ति है जो समाज को जोड़ती है। इससे प्रेम और भाईचारे की भावना पैदा होती है। इस मौके पर शिवेन्द्र मुनि जी, हितेश मुनि, मनोज कुमार जैन, गौतम कुमार जैन, बसंत जैन, अनिल जैन, रविंद्र दिलावर, एसडीएम प्रवेश कादियान, सरपंच आदि गण्यमान्य लोग मौजूद रहे।

अस्पताल के 11वें स्थापना दिवस पर सिलाई मशीन की वितरित

सोनीपत। ट्यूलिप मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल, सोनीपत ने अपनी स्थापना के 11 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस अवसर पर रविवार को अस्पताल के निदेशक डॉ. अनुराग अरोड़ा और डॉ. अनुपमा सेठी अरोड़ा ने अस्पताल की उपलब्धियों के बारे में बताते हुए सभी स्टाफ सदस्यों, सहयोगियों का धन्यवाद किया।इस अवसर पर डायरेक्टर अनुपमा सेठी अरोड़ा ने महिला स्टाफ को सम्मान स्वरूप सिलाई मशीनें उपहार में देकर उनका विशेष सम्मान किया। इस दौरान अस्पताल में रिनल साइंसेज, यूरोलॉजी, डर्मेटोलॉजी विभाग की भी शुरूआत की गई।

भारी जीत पर सनपेड़ा में भंडारा विधायक ने जताया आभार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

रविवार को सनपेड़ा गांव में बली बाबा पर भंडारे का आयोजन हुआ। यह आयोजन विधायक देवेंद्र कादियान की विधानसभा चुनाव में भारी मतों से जीत की खुशी में किया गया। विधायक ने ग्रामीणों का आभार जताया और कहा कि यह जीत 36 बिरादरी की है। मेरा असली मकसद अपने हलके की सेवा करना है। पिछले दस साल से जनता के बीच रहकर यही कर रहा हूं।विधायक ने बली बाबा पर नतमस्तक होकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। ग्रामीणों को आयोजन के लिए बधाई दी। इससे पहले सरपंच प्रमोद ढाका और ग्रामीणों ने फूलमालाओं से उनका स्वागत किया। विधायक ने कहा, धार्मिक आयोजन से समाज में भाईचारा और एकता बढ़ती है। इस मौके पर मोहन पंडित, कृष्ण पंडित, कर्ण सिंह, बलजीत ढाका, राजबीर ढाका, धर्मपाल ढाका, हवा सिंह, ईश्वर ढाका, सोनू बराक, सुनील प्रधान, रमेश धीमान, सुरेश, बिजेंद्र फौजी मौजूद रहे।

गन्नौर। सनपेड़ा गांव में बली बाबा पर भंडारे में विधायक देवेंद्र कादियान को बुजुर्ग आशीर्वाद देते हुए ।

अंबेडकर के पद्चिहनों पर चलने का संकल्प लिया

हरिभूमि न्यूज . गोहाना

अंबेडकर भवन समिति द्वारा रविवार को गांव माहरा में भारत रत्न डॉ. भीम राव अंबेडकर की 134वीं जयंती पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी गोहाना डॉ. परमजीत सिंह और ब्लॉक समिति गोहाना की वाइस चेयरमैन कविता रहे। कार्यक्रम में नागरिकों ने डॉ. अंबेडकर के पद्चिहनों पर चलने का संकल्प लिया। अंबेडकर भवन समिति के अध्यक्ष अमित सभरवाल ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर सामाजिक न्याय और समानता की प्रतिमूर्ति थे। उनका जीवन हम सब के लिए प्रेरणास्त्रोत है। डॉ. अंबेडकर का मानना था कि भारतीय समाज भाषा, जाति, धर्म और कई कारणों से विभाजित है और समाज को जोडऩे में भारत का संविधान एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता मनोज संभरवाल ने की।

इस अवसर पर जिला पार्षद सुरेंद्र मलिक, रमेश कुमार, मोहित मलिक, श्री भगवान, आनंद प्रकाश, रामभज, दीपक, मुकेश शर्मा, विजय,बनारसी, प्रवीण, मुस्कान, कोमल, राजेश, संजय, रिंकू, मोहित, तुषार और सागर उपस्थित रहे।

गोहाना। ग्रामीणों से रूबरू हुए डा . किरण कलकल और प्रदीप सांगवान। फोटो : हरिभूमि

प्रदीप सांगवान ने प्रभारी किरण कलकल के साथ चलो गांव, चलो बस्ती कार्यक्रम किया

गोहाना। रविवार को भाजपा से बरोदा हलका के पूर्व प्रत्याशी प्रदीप सांगवान ने जिला गोहाना की प्रभारी डॉ. किरण कलकल के साथ गांव आंवली और गुमाणा में चलो गांव, चलो बस्ती का कार्यक्रम किया। बरोदा हलके के गांव आंवली एवं गुमाना में किया। डॉ. किरण कलकल ने कहा कि भाजपा सबका साथ सबका विकास की नीति पर काम कर रही है। अंत्योदय के तहत अंतिम व्यक्ति तक सरकार की लाभकारी परियोजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। प्रदीप सांगवान ने बैसाखी के पर्व की शुभकामनाएं दी और संविधान निर्माता डॉ.भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर 14 अप्रैल को यमुनानगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित रैली का ग्रामीणों को निमंत्रण दिया। प्रदीप बोले कि डॉ. भीमराव अंबेडकर राष्ट्र का गौरव थे। इस मौके पर उनके साथ डॉ. राममेहर राठी, सूरत सिंह, जितेन्द्र शर्मा, राजेश शर्मा, इंद्रपाल, मन्नू,रीना शर्मा, विकास जसराना, सत्यवान आर्य, सोनिया सैन, राजेश, मंगलीराम व राजबीर मौजूद रहे।

स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने को फरमाना में आरओ संयंत्र लोकार्पित

खरखौदा। आरओ संयंत्र का औपचारिक लोकार्पण करते दयानंद गहलावत। फोटो : हरिभूमि

खरखौदा। बैसाखी पर फरमाना लुरजान में आर.ओ प्लांट का लोकार्पण कर्मयोगी वेल्फेयर सोसायटी द्वारा ऑल इंडिया गहलावत खाप के प्रधान दयानंद गहलावत, अठगामा के प्रधान सतबीर नंबरदार, सोसायटी प्रधान जयदीप गहलावत की मौजूदगी में किया गया। रविवार 13 अप्रैल बैसाखी के दिन कर्मयोगी वेल्फेयर सोसायटी प्रधान जयदीप द्वारा अपने दादा की याद में फरमाना लुरजान सरपंच जगदीश गहलावत, फरमाना महलान सरपंच सतीश एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में पूरे गांव के लिये आर ओ प्लांट का उद्घाटन किया गया। जिसमें 1000 लीटर प्रति घंटे क्षमता के साथ 1000 लीटर नॉर्मल पानी एवं 2000 लीटर ठंडा पानी का स्टोरेज का इंतजाम किया गया है। सभी ग्रामीणों ने इस धर्म के कार्य को बहुत सराहा और सभी ने मिलकर इस आयोजन को सफल बनाया है। कर्मयोगी वेल्फेयर सोसायटी प्रधान जयदीप गहलावत के परिजन नरेश, प्रकाश, हरेंद्र, राजकुमार, बिजेंद्र ने अन्य ग्रामीणों मनबीर मास्टर, साहब सिंह नंबरदार, राजबीर मास्टर, जस्सू ठेकेदार, सते गायक, दिनेश पंडित, महेंद्र मेम्बर, राजे सेवक ब्लॉक समिति मेम्बर,अंतराम की उपस्थिति में आर ओ प्लांट का लोकार्पण किया और जल सेवा समिति फरमाना लुरजान को सौंपा गया। इसके बाद सभी ने प्रसाद ग्रहण किया। ग्रामवासियों की तरफ से अठगामा प्रधान सतबीर नंबरदार ने इस अवसर पर इस धर्म के काम के लिए पूरे तुरती परिवार को धन्यवाद दिया एवं अच्छे कार्यों के लिए सदैव साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया।ऑल इंडिया गहलावत खाप के प्रधान दयानंद गहलावत ने बताया की आज हम सभी को समाज के अच्छे कार्य करने वाले को सहयोग एवं सराहना करनी चाहिये और हमें जिस भी रूप में समाज सेवा करने का मौक़ा मिले, पीछे नहीं हटना चाहिये।

गोहाना। जलियांवाला बाग हत्याकांड में मारे गए लोगों की आत्मिक शांति की कामना करते हुए नागरिक। फोटो : हरिभूमि

अंग्रेजों ने बहा दी थी बेकसूर लोगों के खून की नदियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

रविवार को शहर में पुराना बस स्टैंड स्थित बलिदानी स्मारक में जलियांवाला बाग हत्याकांड की 106वीं बरसी पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। समारोह में नागरिकों ने इस हत्याकांड में मारे गए निर्दोष लोगों की आत्मिक शांति की कामना की। आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने कहा कि आज के दिन जलियांवाला बाग हत्याकांड में बेकसूर भारतीयों के खून की नदियां बही थी। अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों के खिलाफ और वैशाखी का त्योहार मनाने के लिए परिवार सहित लोग इस बाग में हजारों लोग आए थे। लोगों की भारी संख्या देखकर अंग्रेज घबरा गए और तत्कालीन जनरल पुलिस माइकल ओ-डायर ने गोलियां चलाने के आदेश दिए थे। समाजसेवी हर भगवान चोपड़ा ने कहा कि इस हत्याकांड में 1000 से ज्यादा लोग बलिदन हो गए और 2000 से ज्यादा लोग घायल हो गए।

- जलियांवाला बाग हत्याकांड की बरसी पर श्रद्धांजलि समारोह का किया आयोजन
- हत्याकांड में 1000 से ज्यादा लोग बलिदन हो गए और 2000 से ज्यादा लोग घायल हो गए

ये रहे मौजूद : श्रद्धांजलि समारोह में अशोक आर्य, सतीश मल्होत्रा, रमेश मेहता, श्रीनिवास, जगदीश, कृष्ण भानाराम रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

सम्मेलन | कानूनी प्रणाली के भारतीयकरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन 20 को

सम्मेलन में पूरे देशभर से कई विद्वान व विधि पेशेवर लेंगे भाग

समकालीन कानूनी सुधारों के साथ प्राचीन न्यायशास्त्र के सिद्धांतों पर होगी विस्तृत चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

डॉ. बी.आर. अंबेडकर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में लोक नीति एवं सुशासन केंद्र, भारतीय विधि संस्थान, दिल्ली और अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद, हरियाणा के साथ ज्ञान साझेदारी हेतु 20 अप्रैल को कानूनी प्रणाली के भारतीयकरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। सम्मेलन का उद्देश्य समकालीन कानूनी सुधारों के साथ भारत के प्राचीन न्यायशास्त्र सिद्धांतों की प्रासंगिकता और एकीकरण पर चर्चा के लिए एक जीवंत मंच तैयार करना है ताकि भारतीय न्यायशास्त्र के द्वारा राष्ट्रीय संवाद को बढ़ावा दिया जा सके, यह बात डॉ. बी.आर. अम्बेडकर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के कुलपति अशोक कुमार ने संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन के माध्यम से भविष्य में विधि मामलों में बढ़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा, जिससे हमारे देश की न्याय प्रणाली में तेजी देखी जा सकेगी ओर जनता को समय पर न्याय मिलेगा, जिससें उनके मन में न्यायप्रणाली पर पहले से अधिक भरोसा उत्पन्न होगा। कुलपति अशोक कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय में होने वाले सम्मेलन में पूरे देशभर से कई विद्वानों, विधि पेशेवरों जैसे कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायधीश, उच्च न्यायालय के न्यायधीश, महान अधिवक्ता और छात्रों को भारत की समृद्ध विधिक विरासत, नव अधिनियमित दंड संहिताओं- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम- और न्यायिक प्रक्रियाओं में विधिक प्रौद्योगिकी के विकसित होते उपयोग के साथ आलोचनात्मक रूप से जुड़ने का एक अनूठा अवसर प्रदान करना है। हमारा यह विश्वविद्यालय विधिक मामले की शिक्षा छात्रों को प्रदान करता है, उपरोक्त सम्मेलन के द्वारा हमारे छात्रों में विधि सम्बन्धित मामलों में अधिक गुणवंता उजागर होगी। भारतीय न्याय शास्त्र, वैदिक न्यायशास्त्र, हिंदू परिवार कानून, प्राचीन भारत में पर्यावरण न्यायशास्त्र, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्षात अधिनियम, सुपेस, सुवास, न्यायपालिका में डिजिटल परिवर्तन, नए आपराधिक कानून, कानूनी प्रणालियों में प्रौद्योगिकी इत्यादि इस सम्मेलन का उप विषय रहने वाले है, इसके अतिरिक्त प्रस्तुतिकरण के लिए सर्वोत्तम पेपरों का चयन किया जाएगा ताकि उन्हें प्रकाशित किया जा सकता है।